मुंबई□ वशि्व में फल-सब्जी का दूसरा सबसे ब□ा उत्पादक भारत हर साल 13,300 करो□ रूप□ के ताजा उत्पाद बर्बाद कर देता है क्योंकि देश में पर्याप्त कोल्ड स्टोरेज सुविधाओं और रेफ्रिजिरेट वाली परिवहन सुविधाओं का अभाव है□

इमर्सन क्लाइमेट टेक्नोलाजीज इंडिया की रपट के मुताबिक भारत में सालाना 44,000 करो□ रूप□ के फल-सब्जी और अनाज बर्बाद हो जाते है□ यह □ जेंसी अमेरिका की वनिर्माण व प्रौद्योगिकी कंपनी इमर्सन की शाखा है□

रपट में कहा गया कि खाद्य वस्तुओं को होने वाले नुकसान में सबसे ब□ा योगदान रेफ्रिजिरेटर वाली परिवहन सुविधा और उच्च गुणवत्ता वाली कोल्ड स्टोरेज सुविधा का अभाव का है□

रपट में चेतावनी दी गई कि बिना कोल्ड स्टोरेज और रेफ्रिजिरेटर वाली परिवहन सुविधाओं में सुधार के बगैर वशि्व के दूसरे सबसे ब□ फल-सब्जी उत्पादक भारत में खाद्य समस्या विकराल ही रहेगी और इसमें और इजाफा रहेगा□

भारत में फिलहाल 6,300 कोल्ड स्टोरेज है जिसकी क्षमता 3.01 करो□ टन है□

रपट में कहा गया कि यह देश की□ आवश्यक कुल कोल्ड स्टोरेज की क्षमता के आधे के बराबर है□ देश में सभी खाद्य उत्पादों की□ कोल्ड स्टोरेज क्षमता 6.1 करो□ टन से अधिक होनी चाहि□ □

रपट के मुताबिक इस लक्ष्य को प्राप्त करने की□ 2015-16 तक 55,000 करो□ रूप□ से अधिक निवेश की जरूरत है ताकि फल-सब्जी उत्पादन के ब□ते स्तर को बरकरार रखा जा सके□

इमर्सन्स इंडिया के अध्यक्ष (मध्य पूर्व और अफ्रीकी क्षेत्र) प्रदीप्त सेन ने कहा, ''रपट में इस बात की पुष्टि की गई है कि इस दिशा में प्रगति हो रही है लेकिन कोल्ड स्टोरेज की समस्या उससे अधिक है जितना माना जाता है□ इमर्सन ने यह रपट इस मुद्दे को सामने लाने की□ तैयार की है□''

(भाषा)